जामिया मिल्लिया इस्लामिया

23 मई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

कोविड-19 लॉकडाउनः उत्तर प्रदेश के अपने छात्रों को चार बसों से उनके घरों तक पंहुचाने की जामिया ने व्यवस्था की

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के ब्याज़ एंड गर्ल्स हॉस्टल में रह रहे उत्तर प्रदेश (यूपी) के छात्र शुक्रवार को विश्वविद्यालय द्वारा व्यवस्थित 4 विशेष बसों में अपने घरों के लिए रवाना हुए। ये छात्र कोविड-19 के मद्देनजर लॉकडाउन के कारण हॉस्टल में फंसे हुए थे। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों के लगभग सभी हास्टलर्स को ईद से पहले सुरक्षित उनके घरों को भेज दिया गया है।

यूपी के 40 जिलों से होते हुए तकरीबन 70 छात्रों को लेकर ये बसें सुल्तानपुर, बलिया, कुशीनगर और बरेली रवाना हुई। छात्र अपने अपने गृह नगर में रास्ते में उतरते गए। यात्रा का तालमेल करने के लिए प्रत्येक बस में एक छात्र को ग्रुप लीडर बनाया गया। छात्रों के साथ प्रत्येक बस में विश्वविद्यालय के दो गार्ड (पूर्व सेना के जवान) हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी संबंधित जिलों के यूपी सरकार के अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन को छात्रों की यात्रा का विवरण दे दिया गया है।

इसके साथ ही, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के उन सभी छात्रों को, जो देशव्यापी लॉकडाउन की वजह से विश्वविद्यालय और जामिया स्कूल के हॉस्टल में फंसे हुए थे, बहुत सुरक्षित रूप से उनके घरों तक पंहुचा दिए गए हैं।

लॉकडाउन की वजह से विश्वविद्यालय बंद है और छात्रों के अनुरोध पर जामिया ने यूपी और दिल्ली की सरकारों के अधिकारियों के साथ समन्वय करके इन छात्रों को उनके घरों तक पंहुचाने का इंतेज़ाम किया है।
कोरोना वायरस से संबंधित बुखार, उससे जुड़े लक्षणों की जांच और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए पहले दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य केंद्र के लिए बसें रवाना हुईं। विश्वविद्यालय द्वारा भोजन के पैकेट, पानी की बोतलें, हैंड सैनिटाइज़र और फेस मास्क भी प्रदान किए गए। कैंपस से निकलने से पहले बसों को पूरी तरह से सैनिटाइज़ किया गया।

कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने उम्मीद जताई कि ये छात्र अब अपने घरों तक सुरक्षित पहुंच जाएंगे और जम्मू-कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार के छात्रों की तरह अपने परिवार के साथ होंगे।

छात्रों की मदद करने के लिए डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) और उनकी टीम, चीफ प्रॉक्टर और उनकी टीम, प्रोवोस्ट्स और वार्डन और प्रशासनिक कर्मचारी जामिया के डीएसडब्ल्यू कार्यालय में मौजूद थे। यहीं से स्क्रीनिंग सेंटर के लिए बसें रवाना हुई।

कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिए जारी लॉकडाउन के चलते विश्वविद्यालय बंद है और

ऑनलाइन शिक्षण और मूल्यांकन चल रहा है। स्थिति सामान्य होने पर विश्वविद्यालय अब नियमित छात्रों के लिए अगस्त 2020 में फिर से खुल जाएगा।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक